nt>
Title: Need to preserve Forests in the country especially in Madhya Pradesh.

श्री गौरी शंकर चतुर्भुज बिसेन (बालाघाट) : सभापति महोदय, ईंधन एवं इमारती लकड़ी की मांग पूरी करने के लिए अविवेकपूर्ण ढंग से पेड़ काटे जाने के परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश अब उन राज्यों में सबसे आगे हैं, जहां वन दिनों-दिन सिकुड़ते जा रहे हैं। वनों की ताजा स्थिति संबंधी भारतीय वन सर्वेक्षण के प्रति वेदन से यह चौंका देने वाला तथ्य सामने आया है कि दो वर्षों के दौरान देश भर में ५५०० वर्ग किलोंमीटर क्षेत्र से वन काटे जा चुके हैं। इसमें अकेले मध्य प्रदेश का ३९६० वर्ग किलोमीटर क्षेत्र है। राज्यों के आदिवासी बाहुल्य जिलें में भारी तादाद में 'वन' की कटाई की गई है। राज्यों में वृक्षारोपण वनों का सुधार, बिगड़े वनों का सुधार इत्यादि कार्यक्रम चलाकर करोड़ों रुपये खर्च किये जा रहे हैं परंतु अनुमानित लाभ नगण्य है। वन की इस स्थिति का कारण खनिज संसाधनों का व्यापक पैमाने पर दोहन है। खनिजों के उत्खनन की वनों में प्रदूषण फैलाने और वनों के प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि वनों को बचाया नहीं गया तो स्थिति अत्यंत ही चिंतनीय हो जायेगी।

अतः सरकार से अनुरोध है कि प्रकृति एवं पर्यावरण की रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठाये जाएं।

14.49 hours (Shri Raghuvansh Prasad Singh in the Chair.)